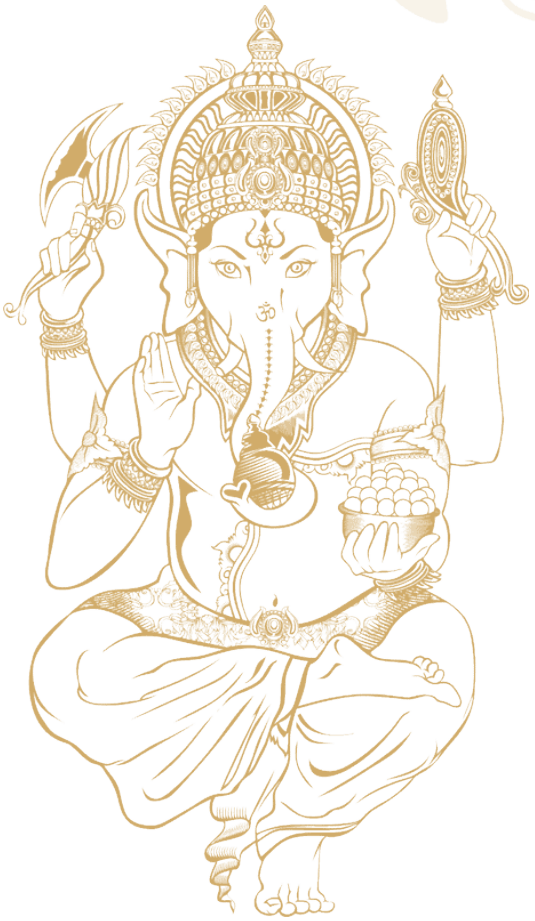

A

T

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121385903

| | | |
|---|---|---|
| पुल्लिंग | लिंग | स्त्रीलिंग |
| 08/10/1994 | जन्म तिथि | 10/07/1998 |
| शनिवार | दिन | शुक्रवार |
| घंटे 13:14:00 | जन्म समय | 23:25:00 घंटे |
| घटी 17:20:31 | जन्म समय(घटी) | 44:46:05 घटी |
| India | देश | India |
| Delhi | स्थान | Delhi |
| 28:39:00 उत्तर | अक्षांश | 28:39:00 उत्तर |
| 77:13:00 पूर्व | रेखांश | 77:13:00 पूर्व |
| 82:30:00 पूर्व | मध्य रेखांश | 82:30:00 पूर्व |
| घंटे -00:21:08 | स्थानिक संस्कार | -00:21:08 घंटे |
| घंटे 00:00:00 | ग्रीष्म संस्कार | 00:00:00 घंटे |
| 06:17:47 | सूर्योदय | 05:30:33 |
| 17:59:26 | सूर्यास्त | 19:22:02 |
| 23:47:14 | चित्रपक्षीय अयनांश | 23:50:04 |

| विंशोत्तरी | अंश | राशि | ग्रह | राशि | अंश | विंशोत्तरी |
|---|---|---|---|---|---|---|
| शनि 16वर्ष 8मा 6दि | 21:43:22 | धनु | लग्न | मीन | 12:28:10 | सूर्य 0वर्ष 11मा 13दि |
| बुध | 21:01:02 | कन्या | सूर्य | मिथु | 24:26:18 | राहु |
| 15/06/2011 | 04:57:31 | वृश्चि | चंद्र | मक | 07:52:59 | 23/06/2016 |
| 14/06/2028 | 08:16:03 | कर्क | मंगल | मिथु | 09:06:59 | 23/06/2034 |
| बुध 10/11/2013 | 12:38:28 | तुला | बुध | कर्क | 20:10:32 | राहु 06/03/2019 |
| केतु 08/11/2014 | 22:44:25 | तुला | गुरु | मीन | 04:08:16 | गुरु 29/07/2021 |
| शुक्र 08/09/2017 | 23:45:42 | तुला | शुक्र | वृष | 25:29:41 | शनि 04/06/2024 |
| सूर्य 15/07/2018 | 12:44:48 | कुंभ व | शनि | मेष | 08:41:29 | बुध 23/12/2026 |
| चन्द्र 14/12/2019 | 21:15:51 | तुला | राहु व | सिंह | 08:16:01 | केतु 10/01/2028 |
| मंगल 11/12/2020 | 21:15:51 | मेष | केतु व | कुंभ | 08:16:01 | शुक्र 10/01/2031 |
| राहु 30/06/2023 | 28:37:03 | धनु | हर्ष व | मक | 17:50:14 | सूर्य 05/12/2031 |
| गुरु 05/10/2025 | 26:47:43 | धनु | नेप व | मक | 07:17:19 | चन्द्र 05/06/2033 |
| शनि 14/06/2028 | 02:34:30 | वृश्चि | प्लूटो व | वृश्चि | 11:48:30 | मंगल 23/06/2034 |

**लग्न-चलित**

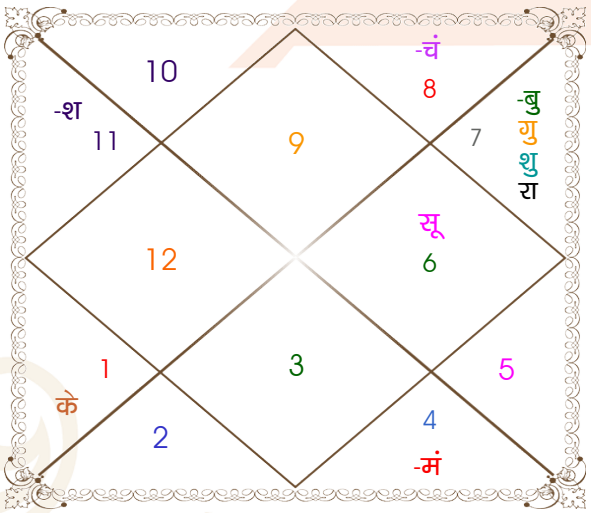


**लग्न-चलित**

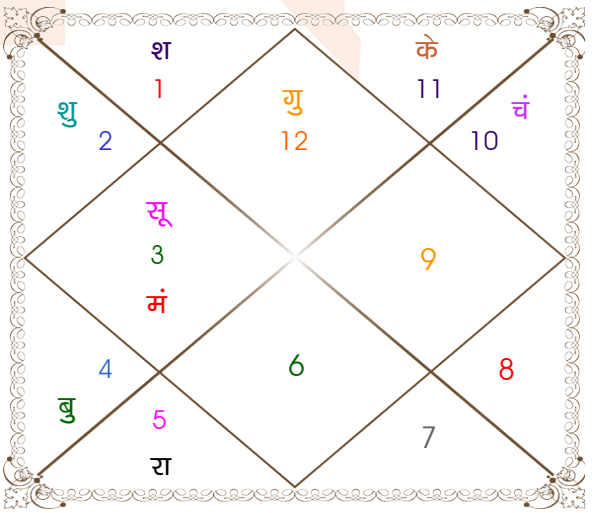

## अष्टकूट गुण सारिणी

| कूट | वर | कन्या | अंक | प्राप्त | दोष | क्षेत्र |
|---|---|---|---|---|---|---|
| वर्ण | विप्र | वैश्य | 1 | 1.00 | -- | जातीय कर्म |
| वश्य | कीटक | चतुष्पाद | 2 | 1.00 | -- | स्वभाव |
| तारा | साधक | प्रत्यारि | 3 | 1.50 | -- | भाग्य |
| योनि | मृग | नकुल | 4 | 2.00 | -- | यौन विचार |
| मैत्री | मंगल | शनि | 5 | 0.50 | -- | आपसी सम्बन्ध |
| गण | देव | मनुष्य | 6 | 6.00 | -- | सामाजिकता |
| भकूट | वृश्चिक | मकर | 7 | 7.00 | -- | जीवन शैली |
| नाड़ी | मध्य | अन्त्य | 8 | 8.00 | -- | स्वास्थ्य/संतान |
| कुल : | | | 36 | 27.00 | | |

। का वर्ग सर्प है तथा । का वर्ग सिंह है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार । और । का मिलान अत्युत्तम है।

## मंगलीक दोष मिलान

। मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

**भौमेः वक्रिणि नीचगृहे वाऽर्कस्थेऽपि वा न कुजदोषः।**

अर्थात् यदि मंगल वक्री, नीच, अस्त का हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल । कि कुण्डली में नीच का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

। मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

**गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते।।**

यदि अधिक गुण मिलते हों तो मंगल दोष नहीं लगता।

क्योंकि अधिक गुण मिलते हैं अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

**त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।**
**त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।**

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु । कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

**त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।**

**त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।**

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु । कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

। तथा I में मंगलीक मिलान ठीक है।

## निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।